भारतीय जनता पार्टी

(केन्द्रीय कार्यालय)
11, अशोक रोड, नई दिल्ली – 110 001
दूरभाष : 23005700य फैक्स : 23005787

दिनांक : 17–1–2013

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद श्री प्रकाश जावड़ेकर द्वारा 17 जनवरी 2013 को दिया गया प्रेस वक्तव्य

देश में आम आदमी कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि के कारण दबाव में है। सरकार को मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाकर आम आदमी को राहत देनी चाहिए। इसके बजाय सरकार ने रेल से लेकर तेल तक की कीमतें बढ़ाकर आम आदमी पर और बोझ डाल दिया है। **सरकार द्वारा तेल मार्केटिंग कंपनियों को समय–समय पर कीमतों की समीक्षा की इजाजत देकर डीजल की कीमतें बढ़ाने के फैसले की भाजपा निंदा करती है।** यह सरकार का अपने कर्तव्यों से बचने का तरीका है। भाजपा का सरकार पर आरोप है कि उसने आज से अगले कुछ दिनों में डीजल की कीमतों में 10 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी करने की योजना बना ली है।

सरकार ने अपनी हाइड्रोकार्बन मूल्य नीति की घोषणा नहीं की है हांलाकि उसने यूपीए के घोषणापत्र और राष्ट्रपति के अभिभाषण में इसका वादा किया था। नीतियां बनाते समय और फैसले लेने में कोई सामंजस्य नहीं है। वह पेट्रोलियम मंत्री को 4 बार बदल चुकी है और कीमतों के बारे में फैसला 15 बार बदल चुकी है। इससे देश की अर्थव्यवस्था को अपूरणीय नुकसान हो रहा है।

डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी का खराब असर पड़ेगा और इससे आमतौर से कीमतें बढ़ेंगी। इससे हर तरह के परिवहन में यात्री किराये और मालभाड़े किराये में वृद्धि होगी। इससे सिंचाई, ट्रैक्टरों और और अन्य कृषि उत्पादों की कीमतें बढ़ जाएंगी।

जहां तक पेट्रोलियम उत्पादों का सम्बन्ध है भारत को अधिक कर भुगतना पड़ रहा है। केन्द्र सरकार इस वित्त वर्ष में अकेले इस क्षेत्र से 2 लाख करोड़ रुपये एकत्र करेगी। घाटे के आंकड़े भी संदेह पैदा करते हैं और इसका अधिकतर हिस्सा अनुमानित है। **सरकार उपभोक्ता से उम्मीद करती है कि वह अधिक करों के साथ और तेल मार्केटिंग कंपनियों की अक्षमता के लिए अंतर्राष्ट्रीय कीमतें दे।**

एलपीजी की सीमा 6 से बढ़ाकर 9 करने का फैसला केवल तमाशा है। 60 वर्षों से लोगों को घरेलू इस्तेमाल के लिए असीमित रसोई गैस मिलती थी। अपने सबसे खराब फैसले से सरकार ने इसकी सीमा 6 कर दी जो भयानक है इसलिए इसे 3 और बढ़ाने का कोई तुक नहीं है। सरकार को अपना फैसला वापस लेना चाहिए और पहले जैसी स्थिति बहाल करनी चाहिए जिसमें घरेलू इस्तेमाल के लिए असीमित सिलैंडर मिलते थे।

(ओ. पी. कोहली)
मुख्यालय प्रभारी